Vol 6 Issue 5 Nov 2016

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

ISSN: 2231-5063 Impact Factor :4.6052(UIF) Volume - 6 | Issue - 5 | November - 2016

GRT Golden Research Thoughts

डॉ. परशुराम शुक्ल की बाल कथाएँ

प्रो. डॉ. संगीता जगताप
विभागाध्यक्षा , कला विज्ञान व वाणिज्य महा, चिखलदरा.

प्रस्तावना :

डॉ. परशुराम शुक्ल ऐसे बाल साहित्यकार है जिन्होने साहित्य की विविध विधाओं में बाल साहित्य की रचना की है । इन्ही विधाओं में आने वाली एक विधा बाल कहानी को भी उन्होने अपनी साहित्य सर्जना में शामिल किया है । इनकी बाल कहानियाँ बालको की आयु के अनुरूप लिखी गई है । आपकी कहानियाँ बालको को मनोरंजन तो उपलब्ध कराती ही है साथ ही उनमें कल्पनाशीलता भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद है । इनकी कहानियाँ बालकों के चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास के लिहाज से भी सटीक है । श्रीमती प्रियंका गुप्ता ने शुक्ल जी की बाल कहानियों के विषय में लिखा है – '' श्री शुक्ल ने भी हिन्दी बाल साहीत्य की अन्य विधाओं के साथ ही बाल कहानियों का महत्व समझा है और लगभग एक सौ पचास बाल कहानियाँ लिखी है । उनकी बाल कहानियाँ विविधता पूर्ण है । श्री शुक्ल ने एक और 'गयी सो जान दे' जैसी परी कथायें लिखी हैं, तो दूसरी ओर ' रोबट का करिश्मा' जैसी विज्ञान कहानियों की रचना की है । उन्होने बहुत बडी संख्या में पौराणिक कहानियाँ, वन्य जीवों की कहानियाँ, ऐतिहासिक कहानियाँ, जासुसी कहानियाँ, हास्य कहानियाँ और साहस कथाये भी लिखी है'' । १)

डॉ. परशुराम शुक्ल व्दारा लिखीत बाल कहानियों के बारह संग्रह अबतक प्रकाशित हो चुके है १) नन्हा जासुस २) इन्द्रधनुषी बाल कहानियाँ, ३) चालाक चिकू और दुष्ट भेड़िया ४) नन्हा क्रान्तिकारी, ५) सफलता का रहस्य ६) कर्मयोगी ७) कहानी इंस्पेक्टर इंडिया की, ८) बुंद का साहस, ९) क्रोध का किड़ा १०) उपहास का फल ११) सोने का हिरन १२) लोक कथाएँ । उपरोक्त बाल कहानी संग्रहों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत किया है –

1) नन्हा जासुस :

इस कहानी संग्रह में छः कहानियाँ संग्रहीत है । कहानी संग्रह की प्रथम कहानी नन्हा जासुस है जो अपनी बुध्दिमानी से शक्कर के बोरो से लदे ट्रको का पता लगाकर उन्हे पकड़वा देता है ।

दुसरी कहानी में बुध्दिमानी बालक आलोक की कहानी है जो बड़ी चतुराई से अपहर्ताओं के चुंगल से मुक्त होकर उन्हें पुलिस से पकड़वा देता हैं ।

तीसरी कहानी 'धमाका' में भ्रष्टारचार की समस्या को उजागर करते हुए सरकारी दप्तरों में हो रहे भ्रष्टाचार को दिखाया है !

चौथी कहानी 'लालच का फल' है । कहानी में लालची व्यक्ति फकीर चन्द्र है जो लालचवश चोरों का माल अपने घर पर रखता है और एक दिन डाकु सारा माल लूट ले जाते है । इस कहानी के माध्यम से बच्चों को ईमानदारी के साथ काम करने की प्रेरणा दी गई है ।

पॉचवी कहानी 'दुगने का चक्कर' है । इसमें लालची व्यक्ति गेंदालाल नोट दुगने करवाने के चक्कर में ढगा जाता है । परिणाम स्वरूप सदमें से उसकी मृत्यु हो जाती है ।

छटवी कहानी 'चार जासूस 'हैं इसमें विजयपुर रियासत के दीवान की कहानी है । जो स्वयं चोर है ! राजा अपने जासूसों की मदद से चोरी का पता लगा लेता है और उसे पकडवा लेता है । 'नन्हा जासूस' कथा संग्रह में सभी कहानियाँ प्रेरक और बालोपयोगी है ।

2) इंन्द्रधनुषी बाल कहानियॉं :

परशुराम शुक्ल व्दारा लिखि 'इन्द्रधनुषी बाल कहानियाँ' संग्रह में कुल बाईस कहानियाँ है । इन कहानियों की पृष्ठभूमि मोगिया और पारधी जनजातियों की कार्यशैली से संबंधित है । उनके इस कथा संग्रह में जहाँ एक ओर

पौरणिक कथाओं की पृष्ठभूमि वाली ‘माता का वध’ ‘महाबली घटोत्कच’, ‘तारकवध’ जैसी कथाएँ है तो दूसरी और ‘मेहनत का फल’ ‘कहानी कालूराम की’ ‘पिता की सीख ’ आदि कहानियों के माध्यम से किशोरवय बालकों को नैतिकता की शिक्षा प्रदान की गई है ।

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि डॉ. परशुराम शुक्ल के कहानी संग्रह ‘इनद्रधनुषी बाल कहानियॉं’ वास्तव में इन्द्रधनुषी छटा को बिखेरने वाली है । जिनमें जहॉं एक ओर कल्पनाशीलता की प्रचुरता है तो दूसरी ओर साहस और रोमांच भी है , साथ ही इस संग्रह की एक विशेषता यह भी है कि इसमें दी गई कहानियाँ न केवल बालकों बल्कि सभी आयुवर्ग के लोगो के लिए प्रेरणा प्रदान करने वाली हैं ।

3) चालक चीकु और दुष्ट भेड़िया :

इस बाल कथा संग्रह में छोटी आयु के बच्चो के लिए ७ छोटी-छोटी बाल कहानियाँ संग्रहीत है । भाषा - शैली एवं प्रस्तुतीकरण की सरलता के कारण ये बाल कथायें छोटे- छोटे बच्चों में बहुत प्रिय हैं । कहानियों की कथन शैली बड़े -बुजुर्गो व्दारा सुनाई जाने वाली कहानियों जैसी है । इन कहानियों में मनोरंजन के साथ बच्चों को नैतिक शिक्षा भी प्रदान की गई है । डॉ. शुक्ल ने इन कहानियों के बारे में लिखा है - ‘‘इस प्रकार की कहानियाँ बच्चों का मनोरंजन करने के साथ उन्हें नैतिक शिक्षा भी देती है और संस्कारवान बनाती है । बुरे काम का बुरा नतीजा होता है, हिम्मत और साहस से आदमी असम्भव से लगने वाले काम भी कर सकता है । ईश्वर भले आदमी की रक्षा करता है, लालच का फल हमेशा बुरा होता है आदि की शिक्षा अप्रत्यक्ष रूप से इन्हीं कहानियों से मिल जाती है । ’’ २)

इस कथा संग्रह की सभी कहानियाँ छोटी आयु वर्ग के बालकों की रूचि को ध्यान में रखकर लिखी गई है ।

4) नन्हा क्रान्तिकारी :

डॉ. परशुराम शुक्ल व्दारा लिखित बाल कहानी संग्रह ‘नन्हा क्रान्तिकारी’ में ६ बालोपयोगी कहानियाँ दी गई है । इस संग्रह की कहानियों में रोचकता और नैतिकता को ध्यान में रखकर उनकी पृष्ठभूमि तैयार की गई है ।

5) सफलता का रहस्य :

‘सफलता का रहस्य’ संग्रह में पॉंच शिक्षाप्रद बाल कहानियॉं संग्रहीत हैं । इन काहानियों की विषयवस्तु एवं उददेश्य के बारे में डॉ. शुक्ल ने लिखा है - ‘‘इनमें ‘सफलता का रहस्य’ में यह सिध्द करने का प्रयास किया गया है कि बच्चे मारपीट अथवा भय के व्दारा योग्य नही बनते बल्कि उन्हे योग्य बनाने के लिए स्नेह, प्रोत्साहन और पुरस्कार आवश्यक है । इसी प्रकार सत्सग का महत्व में यह बताने का प्रयास किया गया है कि घमण्ड को दूर करके यदि योग्य व्यक्ति का सत्सग किया जाये तो योग्य व्यक्तिके गुण उत्पन्न होने लगते है !’’ ३)

इस काहानी संग्रह की सभी कहानियाँ उददेश्य पूर्ण एवं प्रेरक है ! कहानियॉं बच्चों के नैतिक और चारित्रिक विकास में सहयोगी है ।

6) कर्मयोगी :

डॉ. परशुराम शुक्ल ने ‘कर्मयोगी’ बाल कथा संग्रह में नैतिक मुूल्यों से युक्त शिक्षाप्रद बाल कथायें प्रस्तुत की है ।

7) कहानी इंस्पेक्टर इंडिया की :

इस काहनी संग्रह में एक कर्मठ और खौफनाक सी. आय.डि. अधिकारी के कार्यो से संबंधित जासूसी कहानी है । बडे-बडे पुलिस अधिकारी भी इंस्पेक्टर इंडिया की कर्मठता के कायल थे । इस काहनी में अपने उच्च अधिकारी चौधरी के पूछने पर इंस्पेक्टर इंडिया ने सी. आय.डि विभाग में नौकरी करने की रोमांचक काहनी का वर्णन किया है ।

8) बूँद का रहस्य :

इस कथा संग्रह में तीन कहानियॉं संग्रहीत है । कहानी ‘बुॅंद का साहरा ’ में बालक अभिनव की कहानी हैं । अभिनव की मॉं उसे सैनिक अधिकारी बनाना चाहती है । परंतु अभिनव एक उद्दण्ड और जिद्दी लड़का है । वह अपनी माँ की बात नहीं मानता है । एक स्वप्न के व्दारा बालक अभिनव को प्रेरणा मिलती है और अपनी मॉं की बात मान लेता है ।

9) क्रोध का कीड़ा :

इसमें पौरणिक प्रसंगों पर आधारीत पाँच बाल कहानियाँ है । ‘क्रोध का कीड़ा’ शिक्षाप्रद कहानी है । इसका उददेश्य क्रोध पर विजय प्राप्त करना है ।

‘‘इस कहानी में श्रीकृष्ण, बलराम और सात्थिकि पात्र है । वन में रात के अंधेरे में इनके साथ एक घटना घटी जिसमें क्रोध रूपी राक्षस से युध्द करने में सात्थिकी और बलराम घायल हो गए थे । श्रीकृष्ण ने क्रोध पर विजय प्राप्त की थी । ’’ ४)

यह कहानी संग्रह मनोरंजक और शिक्षाप्रद है । कहानी का उददेश्य मनुष्य को पाप कर्म से बचाना हैं ।

10) उपहास का फल :

'उपहास का फल ' कहानी में दुर्वासा ऋषि के शाप से यदुकुमारों के विनाश का वर्णन है । महाभारत युध्द के बाद की घटना पर आधारीत यह एक शिक्षाप्रद कहानी है जो किसी का अपमान और उपहास न करने की प्रेरणा देती है । ''सागर मंथन समुद्र को मथकर चौदह रत्न निकलने की कथा पर आधारित है । सागर मंथन से शंख , धनुष, रम्भा, उच्चैश्रवा,अश्व, कौस्तुभ मणि, कल्पवृक्ष, कामधेनु, ऐरावत हाथी, कालकूट विष, अमृत घट तथा धन्वन्तरी वैद्य निकलने का वर्णन इस कहानी में आया है ।'' ५)

इस प्रकार इस बाल कहानी संग्रह में पौराणिक प्रंसगों पर बाल कथाएँ है ।

11) सोने का हिरन :

इस बाल कहानी संग्रह में पाँच पौरणिक बाल कथायें है । 'सोने का हिरन' बाल कथा में रामायण का वह प्रसंग है जब मरीच सोने का हिरन बन गया था, और सीता के कहने पर राम उसे मारने चले गए थे तब रावण ने सीता का हरण कर लिया था । इसी तरह 'सोने का हिरन' कहानी संग्रह में सभी बाल कहानियाँ रोचक, शिक्षाप्रद एवं बालोपयोगी है ।

12) लोक कथाएँ : भारत के महत्वपूर्ण वृक्ष :

यह डॉ. परशुराम शुक्ल की महत्व पूर्ण बाल कथा कृति है । इसमें ३२ वृक्षों और पुष्पों की उत्पत्ति सम्बन्धि मिथक कथाएँ दी गई है । डॉ. शुक्ल ने वृक्ष या पुष्प का वैज्ञानिक परिचय देते हुए, उसके साथ जुड़े किसी न किसी मिथक को कथा का रूप दिया है । 'भारत के महत्वपूर्ण वृक्ष' लोककथा संग्रह में वर्णित कहानियाँ, कथातक, पात्र और चरित्र-चित्रण , देश काल वातावरण, संवाद, भाषा शैली, उद्देश आदि सभी दृष्टियों से उत्कृष्ट है ।

डॉ. परशुराम शुक्ल की कथाओं का अध्ययन करने के उपरान्त यह यहसास होता है कि उनकी कहानियाँ केवल मनोरंजनात्मक ही नहीं बल्कि बोधात्मक, शिक्षाप्रद, संसारात्मक है जो आजके बालजीवन को अत्यंत उपयोगी है। डॉ. परशुराम शुक्लजी ने अतीत और वर्तमान का मेल कर नन्हें संसार को भविष्य सुरक्षित करने का पाठ पढ़ाया है। आज प्रत्येक घर का दृश्य ऐसा है कि माता-पिता काम-काज के लिये घर से बाहर जाते हैं बच्चों के लिये उनके पास पर्याप्त समय नहीं रहता, तब डॉ. परशुराम शुक्ल जैसे साहित्यकार बच्चों को संस्कारी ही नहीं अपितू मानसिकतौर पर मजबूत और सक्षम,सुदृठ बनाने का काम करते है।

संदर्भ सूची

१) डॉ. परशुराम शुक्ल के बाल साहित्य का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन-प्रणोती पाहिल, पृष्ठ १००
२) सफलता का रहस्य - परशुराम शुक्ल, देशभारती प्रकाशन, दिल्ली, सन २०११, पृष्ठ ६,७
३) क्रोध का कीड़ा - परशुराम शुक्ल, श्रेया प्रकाशन, इलाहाबाद, सन २००६,पृष्ठ ६
४) क्रोध का कीड़ा - परशुराम शुक्ल, पृष्ठ २०
५) उपहास का फल - परशुराम शुक्ल, पृष्ठ १२

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org